

- (i) A brochure, giving information relating to the contents of the last six issues is being brought out for free distribution to all libraries throughout India.
- (ii) Copies are being sent to important papers for review purposes every month.
- (iii) The journal is being advertised through selected media in all languages.
- (iv) The sales representatives of the Publications Division undertake tours of the country including non-Hindi speaking areas in order to establish contacts with various educational institutions, libraries, book-sellers etc. with a view to popularising the journal along with other publications of the Division.
- (v) It has also been decided to offer for a period of one year, on an experimental basis, a concession of Re. 1 on the annual subscription of the journal to all libraries and educational institutions.
- (vi) The display and sale of the journal along with other publications of the Division are arranged at important conferences and exhibitions in India.

(c) 254.

STATEMENT

Name of the Magazine	No. of copies printed	No. of copies sold
Ajka (Monthly)	60,715	51,084
Bal Bharati (Monthly)	74,118	66,811
Frasarika (Quarterly)	2,992	2,340

मध्यभारत की गृह-निर्माण योजना

*४१२. श्री कृष्णकान्त व्यास : क्या निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को मध्यभारत सरकार में, कम वेतन पाने वाले सरकारी नौकरों

के लिये उस राज्य के शहरी इलाकों में मकान बनाने के बारे में कोई योजना प्राप्त हुई है ;

(ख) यदि हां, तो उस योजना का विवरण क्या है ; और

(ग) उस योजना पर अनुमानतः कितनी लागत लगेगी ?

t [HOUSING SCHEME OF MADHYA BHARAT

*412. SHRI KRISHNAKANT VYAS: Will the Minister for WORKS, HOUSING AND SUPPLY be pleased to state:

(a) whether Government have received any scheme from Government of Madhya Bharat regarding the construction of houses, in the urban areas of that State, for low paid Government servants;

(b) if so, what are the details of the scheme; and

(c) the estimated cost thereon?]

निर्माण, आवास तथा संभरण मंत्री (सरदार स्वर्णसिंह): (क) जी नहीं।

(ख) और (ग). सवाल पैदा ही नहीं होता।

f[THE MINISTER FOR WORKS, HOUSING AND SUPPLY (SARDAK SWARAN SINGH): (a) No, Sir.

विस्थापितों के पुनर्वास के लिये मध्य भारत की दिव्य कृपा

२४४. श्री कृष्णकान्त व्यास : क्या पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने १९४४-४५ में मध्य भारत सरकार को वहाँ के विस्थापितों की पुनर्वास-ऋण ढ़ाने के लिये कोई रकम मंजूर की है ;

(ख) यदि हां, तो उस वर्ष कुल कितनी रकम दी गई ?

(b) and (c). Do not arise.]

LOANS GIVEN TO MADHYA BHARAT FOR THE REHABILITATION OF DISPLACED PERSONS

244. SHRI KRISHNAKANT VYAS: Will the Minister for REHABILITATION be pleased to state:

f[English translation.

(a) whether Government have sanctioned any amount to the Government of Madhya Bharat in 1954-55 for advancing rehabilitation loans to displaced persons in that State; and

(b) if so, what was the total amount given during that year?]

पुनर्वासि उपमंत्री (श्री जे० के० भोंसले):
(क) जी हाँ।

(ख) चार लाख रुपये।

7 [THE DEPUTY MINISTER FOR REHABILITATION (SHRI J. K. BHONSLE): (a) Yes.

(b) Rupees four lakhs.]

फाउन्टन पेनों का आयात और निर्माण

२४५. श्री कृष्णकान्त व्यास : क्या वाणिज्य और उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों में विभिन्न प्रकार के फिन्टन फाउन्टन पेन आयात किये गये और किन किन देशों से ;

(ख) आयात किये गये फाउन्टन पेनों के अधिकतम और न्यूनतम मूल्य क्या हैं; और

(ग) क्या फाउन्टन पेन तैयार करने वाली फर्मों में किसी को कोई आर्थिक सहायता या रियायत दी जाती है ?

IMPORT AND MANUFACTURE OF FOUNTAIN PENS

245. SHRI KRISHNAKANT VYAS: Will the Minister for COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the various kinds of fountain pens imported during the last three years and the names of the countries from which they were imported;

(b) the highest and the lowest prices of imported fountain pens; and

(c) whether any financial help or concession is given to any of the firms manufacturing fountain pens?]

वाणिज्य और उद्योग मंत्री (श्री टी० टी० कृष्णमाचारी): (क) एक विवरण संलग्न है। आयात किये गये फाउन्टन पेनों की किस्मों के विषय में जानकारी उपलब्ध नहीं है।

(ख) आयात किये गये फाउन्टन पेनों का कम से कम मूल्य २५ सी आई० एफ० है। अधिक से अधिक मूल्य के विषय में जानकारी उपलब्ध नहीं है।

(ग) कच्चा माल और हिस्सों का आयात करने की अनुमति देने के अतिरिक्त फाउन्टन पेन तैयार करने वालों को और कोई वित्तीय सहायता अथवा रियायत नहीं दी जाती।

विवरण

विभिन्न देश जहाँ से फाउन्टन पेन आयात किये गये

संयुक्त राज्य अमेरिका
ब्रिटेन
ऑस्ट्रेलिया
पश्चिमी जर्मनी
फ्रांस
जापान
अन्य देश

टिप्पणी : फाउन्टन पेनों की विभिन्न किस्मों के विषय में जानकारी उपलब्ध नहीं है।

[THE MINISTER FOR COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI T. T. KRISHNAMACHARI): (a) A statement is attached. Information regarding the brands or types of fountain pens imported is not available.

(b) The lowest price of imported fountain pen is Rs. 25 c.i.f. Information about the highest price is not available.

(c) No financial help or concession is given to fountain pen manufacturers beyond permitting the import of raw materials and components.

tEnglish translation.